

# Empowering Rural Women Entrepreneurship

Dumka, Jharkhand

Financial Inclusion & Skill  
Development



An initiative by District Administration Dumka

# “DIDIKI DUKAAN”

**Empowering Rural Women Entrepreneurship**

Presented By: Abhijeet Sinha,

Deputy Development Commissioner, Dumka





**Objective 1: Reduce  
Multidimensional Poverty**



**Objective 2: Build Sustainable  
Livelihood Sources**

## **Problem Statement and Objectives**

To enable rural women in Dumka to break out of poverty and build dignified, sustainable income source through an **SHG-based shop model** with an aim to create **Lakhpati Didis**.



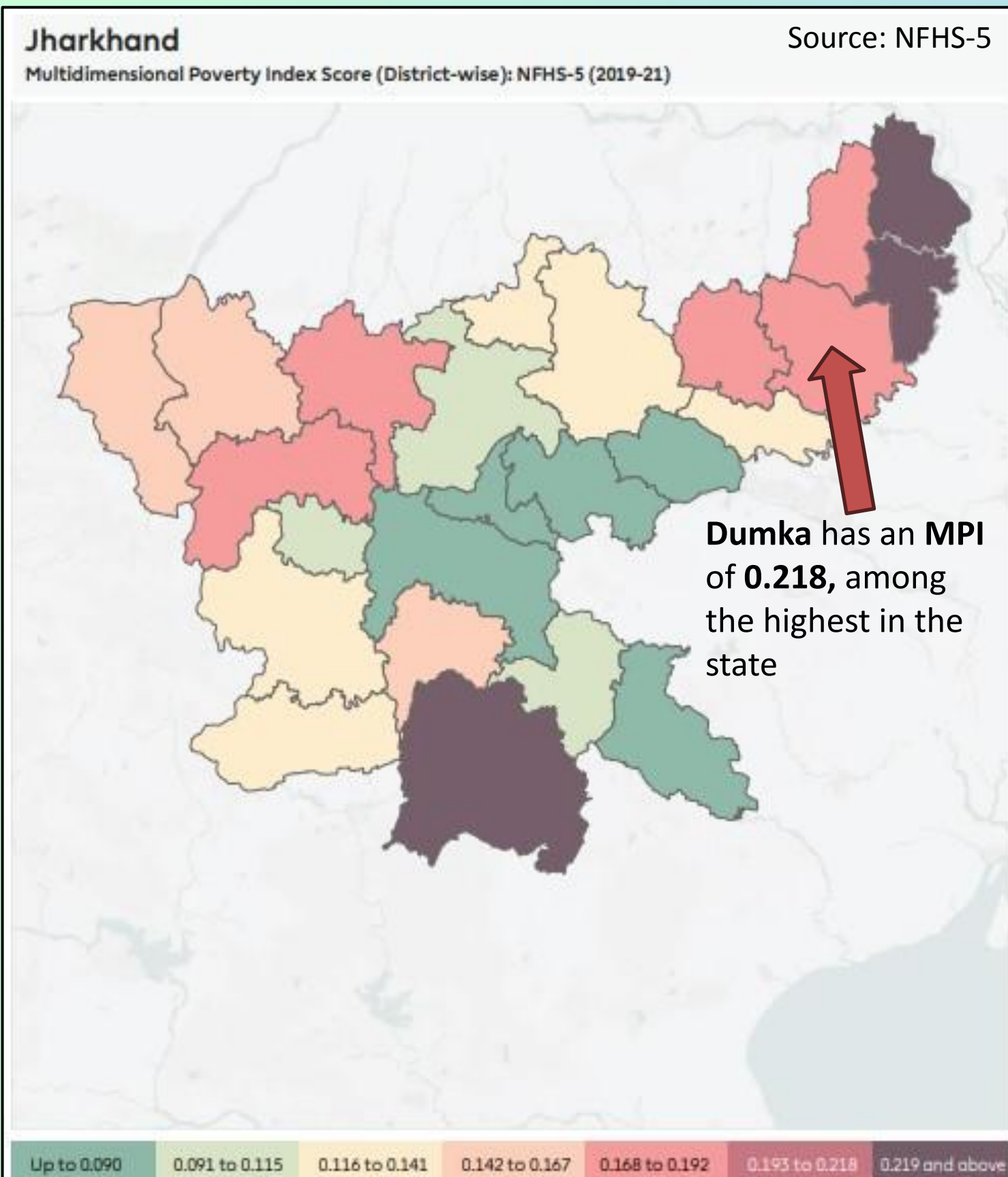
**Objective 3: Decrease  
Dependency on Weekly  
Traditional Haat**



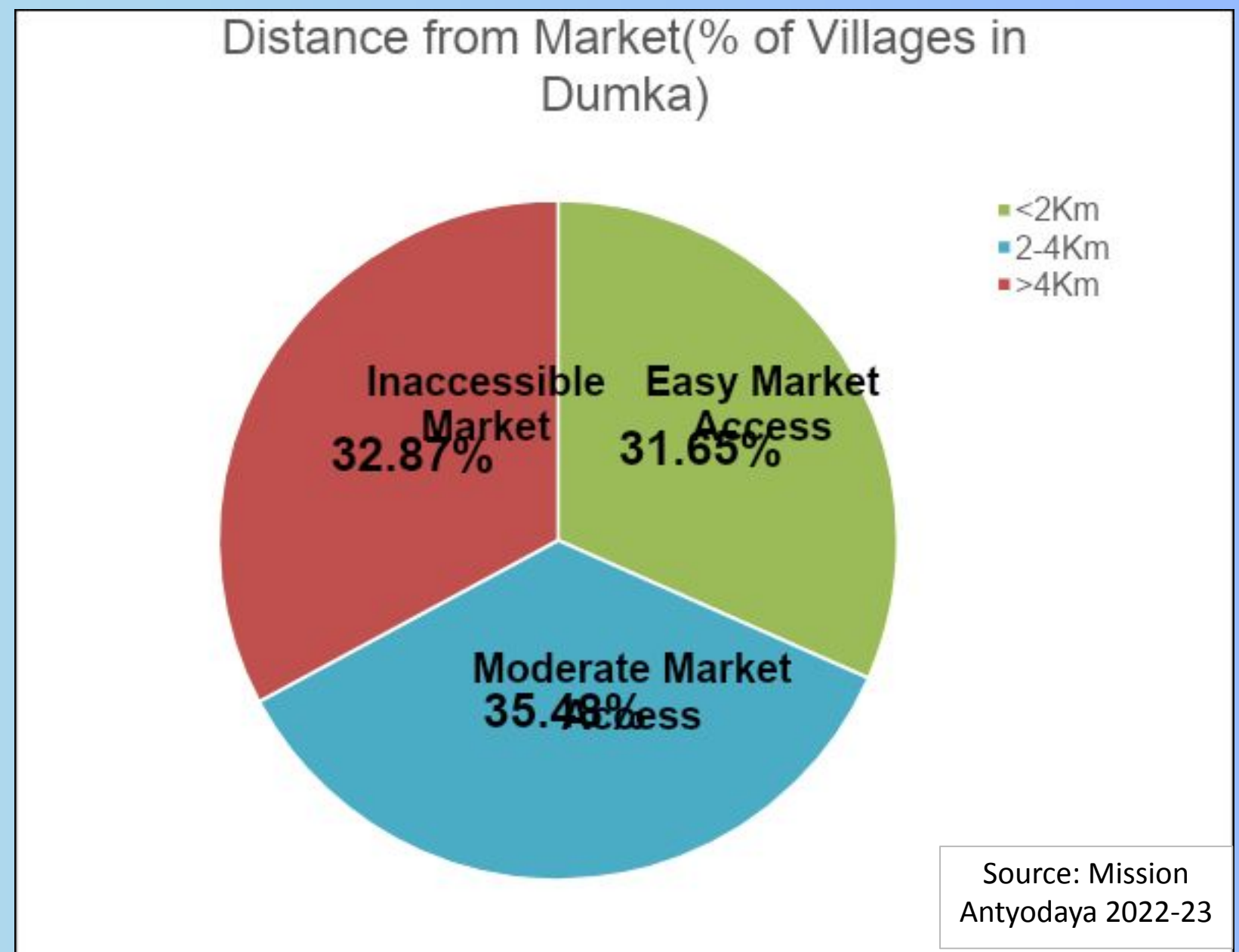
**Objective 4: Incentivise women  
away from selling "Hadiya" /  
Country Liquor**

# Data Supporting The Problem Statement

## 1.) High Multi-Dimensional Poverty

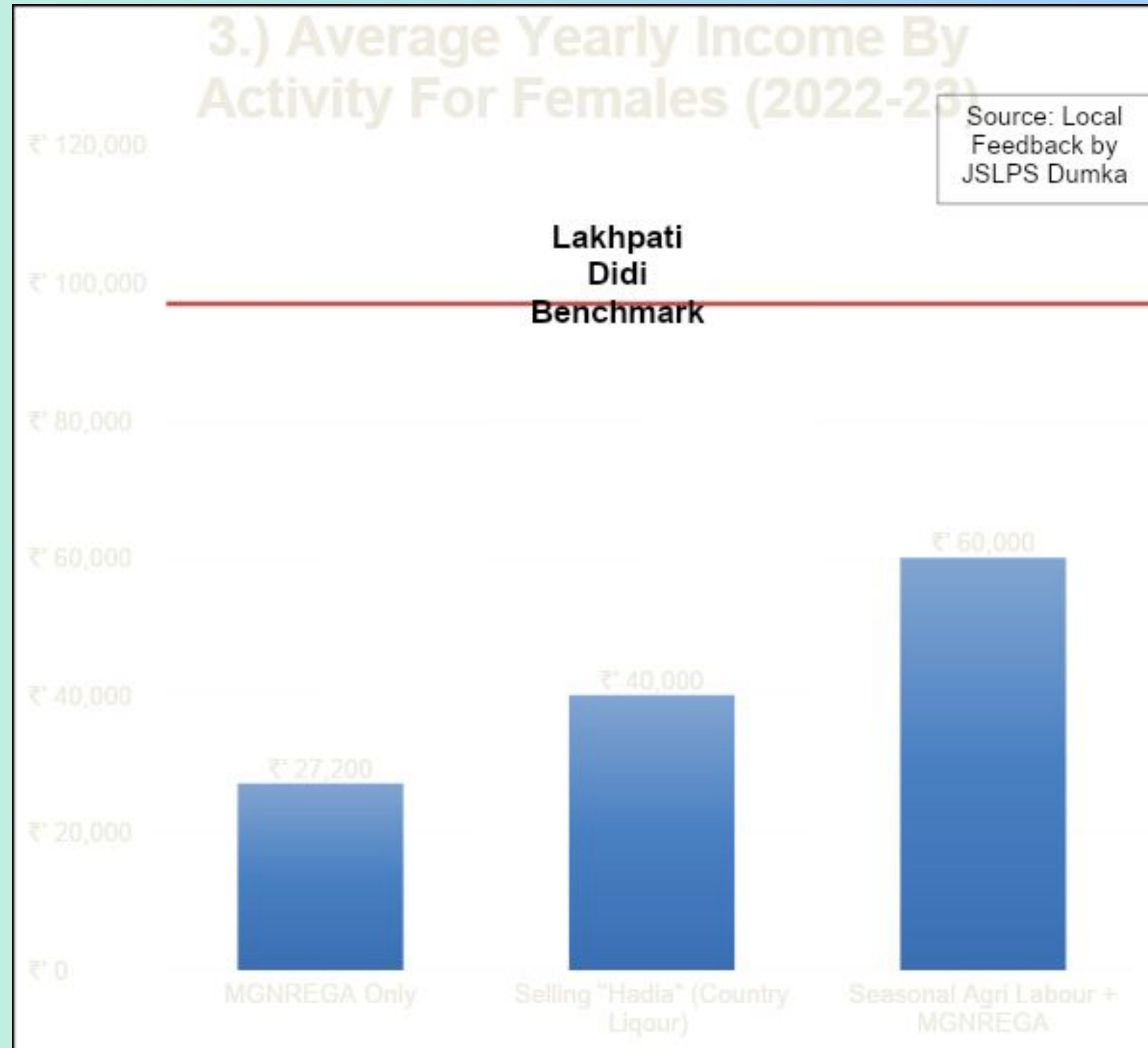


## 2.) Large Distance to Market



Around 1/3<sup>rd</sup> of the Population have to travel more than 4 Kms to Access Daily Essentials. Hence, The Dependence on Weekly Haats.

# Data Supporting The Problem Statement



# Root Causes Identified Through Data Analysis

1. Inadequate focus on entrepreneurship as an economic activity

2. Collateral problem - inadequate financial support

3. Low Literacy Levels

**Conclusion: “Didi Ki Dukaan”, a low-cost, SHG-based enterprise that requires minimal education, addresses all key root causes.**

## Final Thoughts

The Intervention Should address the following:

- Focus on building **SHG-based Enterprises**
- Should be easy to setup and operate even with **less education**
- Should have **low initial startup cost**

## Meetings with stakeholders



# Plan

## Create Lakhpati Didis Through Female Led Household Enterprises

ग्रामीण विकास मंत्रालय  
भारत सरकार  
MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT  
GOVERNMENT OF INDIA

## What does Lakhpati Didi initiative do?

Enhances skills—helping millions of rural women become financially empowered

Improves livelihoods

Offers access to credit



## Manual to Setup Didi Ki Dukaan

### 1. किराने की वस्तुएं (आवश्यक स्टॉक)

#### A. अनाज, दालें और मुख्य खाद्य सामग्री

- ❖ चावल (सामान्य और प्रीमियम)
- ❖ गेहूं का आटा (आटा)
- ❖ दालें (अरहर, मूंग, चना, मसूर, उड़द)
- ❖ चीनी और गूड़
- ❖ खाने के तेल (सरसों, सोयाबीन, सूरजमुखी)
- ❖ नमक

#### B. मसाले और सूखे मसाले

- ❖ हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा, गरम मसाला
- ❖ साबुत मसाले (तेज पत्ता, लौंग, इलायची, काली मिर्च)

#### C. डेयरी और पेय पदार्थ

- ❖ दूध, घी, मक्खन, पनीर
- ❖ चाय, कॉफी, स्वास्थ्य पेय (बोनीविटा, हॉर्लिक्स)

#### D. पैकेज्ड और रेडी-टू-ईट फूड्स

- ❖ बिस्किट, नमकीन, चिप्स
- ❖ इंस्टेंट नूडल्स, पास्ता, सेंवई
- ❖ बेकरी उत्पाद (ब्रेड, बन, केक)

#### E. व्यक्तिगत और घरेलू देखभाल

- ❖ साबुन, शैंपू, दूधपेस्ट, बालों का तेल
- ❖ डिटर्जेंट, बर्तन धोने का साबुन, फर्श क्लीनर
- ❖ मच्छर भगाने वाले उत्पाद (कोईल, लिक्विड वैपोराइज़र)

#### F. घरेलू आवश्यक वस्तुएं

- ❖ माचिस, मोमबत्ती, अगरबत्ती
- ❖ प्लास्टिक बैग, केरी बैग

### 2. बुनियादी ढांचा और उपकरण

- ❖ दुकान का सेटअप: शेल्फ, स्टोरेज रैक, डिस्टले काउंटर
- ❖ वजन मापने की मशीन: डिजिटल या मैनुअल
- ❖ बिलिंग सिस्टम: नकद रजिस्टर
- ❖ कोल्ड स्टोरेज: डेयरी और पेय पदार्थों के लिए छोटा फ्रिज
- ❖ लाइटिंग और पंखे: उचित रोशनी की व्यवस्था

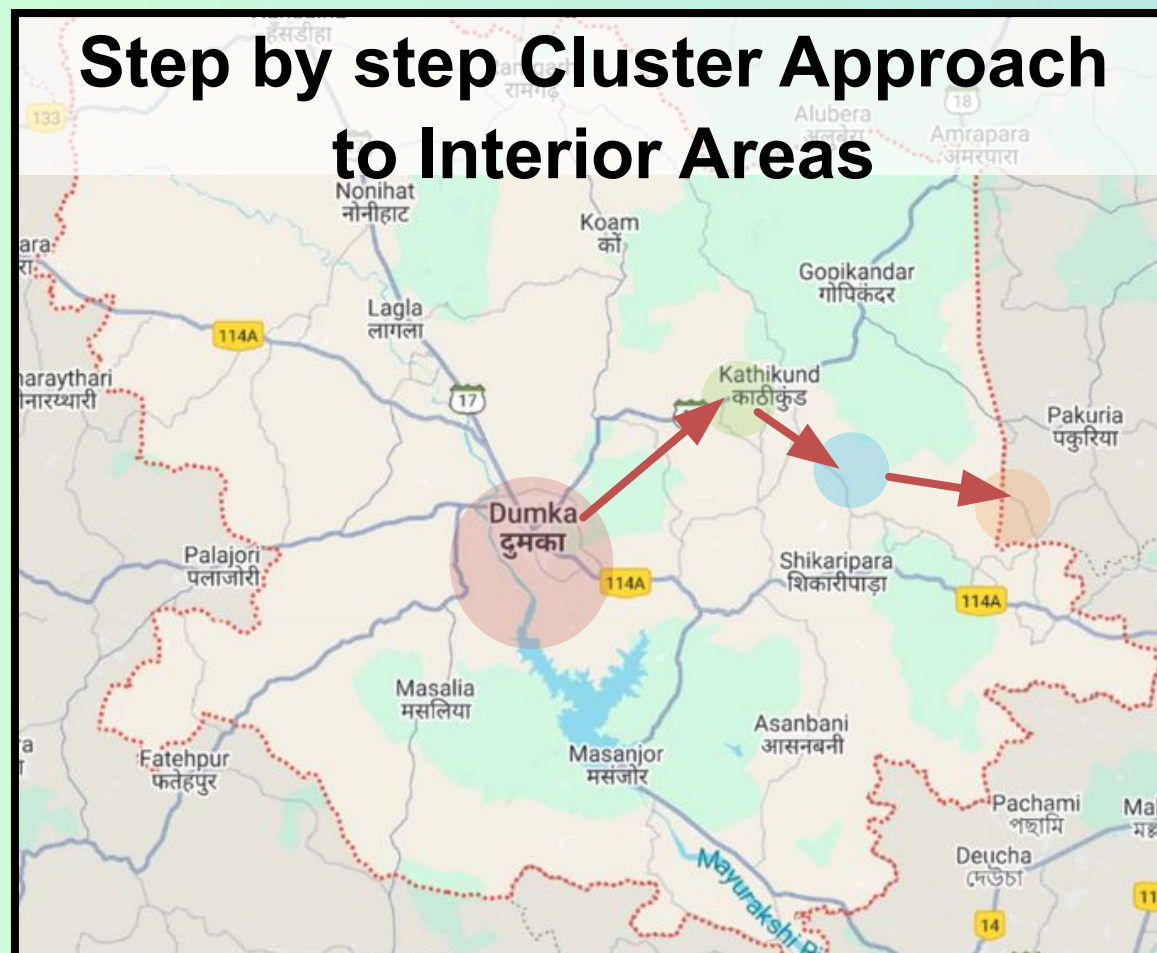
### 3. संचालन के लिए आवश्यक सामग्री

- ❖ पैकेजिंग सामग्री: कागज/प्लास्टिक बैग
- ❖ दुकान का साइन बोर्ड और ब्रांडिंग सामग्री

### 4. प्रारंभिक निवेश और स्टॉकिंग योजना

- छोटी दुकान (₹30,000 - ₹50,000): दालें, आटा, तेल और सैक्स पर ध्यान दें।
- मध्यम दुकान (₹50,000 - ₹1,00,000): अधिक विविधता जोड़ें, जिसमें घरेलू और डेयरी उत्पाद शामिल हों।
- बड़ी दुकान (₹1,00,000+): पूर्ण स्टॉक जिसमें पैकेज्ड फूड्स, फ्रोजन उत्पाद और ब्रांडेड आइटम हों।

## Step by step Cluster Approach to Interior Areas



# Didi ki Dukaan : Rolling Out the Initiative

Selection of the beneficiaries	Source of Fund	Sustainable Supply Chain	Capacity Building	Aim
Using <b>Gram Sabhas</b> and community meetings	Credit support of <b>₹30K to ₹1 Lac</b> through CLFs' - CIF and RF	Linkage with the <b>wholesalers</b> with the JSLPS team	<b>RSETI Training</b> on accounts, stock management etc.	Aim of at least <b>1 shop a village</b>



# Economic Impact of Didi ki Dukaan

Source: Local Feedback by JSLPS, Dumka. Average Yearly Income By Activity For Females

₹ 120,000

₹ 100,000

₹ 80,000

₹ 50,000

₹ 40,000

₹ 20,000

₹ 0

Lakhpati Didi Benchmark

Before Didi Ki Dukaan (2022-23)

Post Intervention  
(2024-25)

₹ 108,000

₹ 27,200

MSP/REGA Only

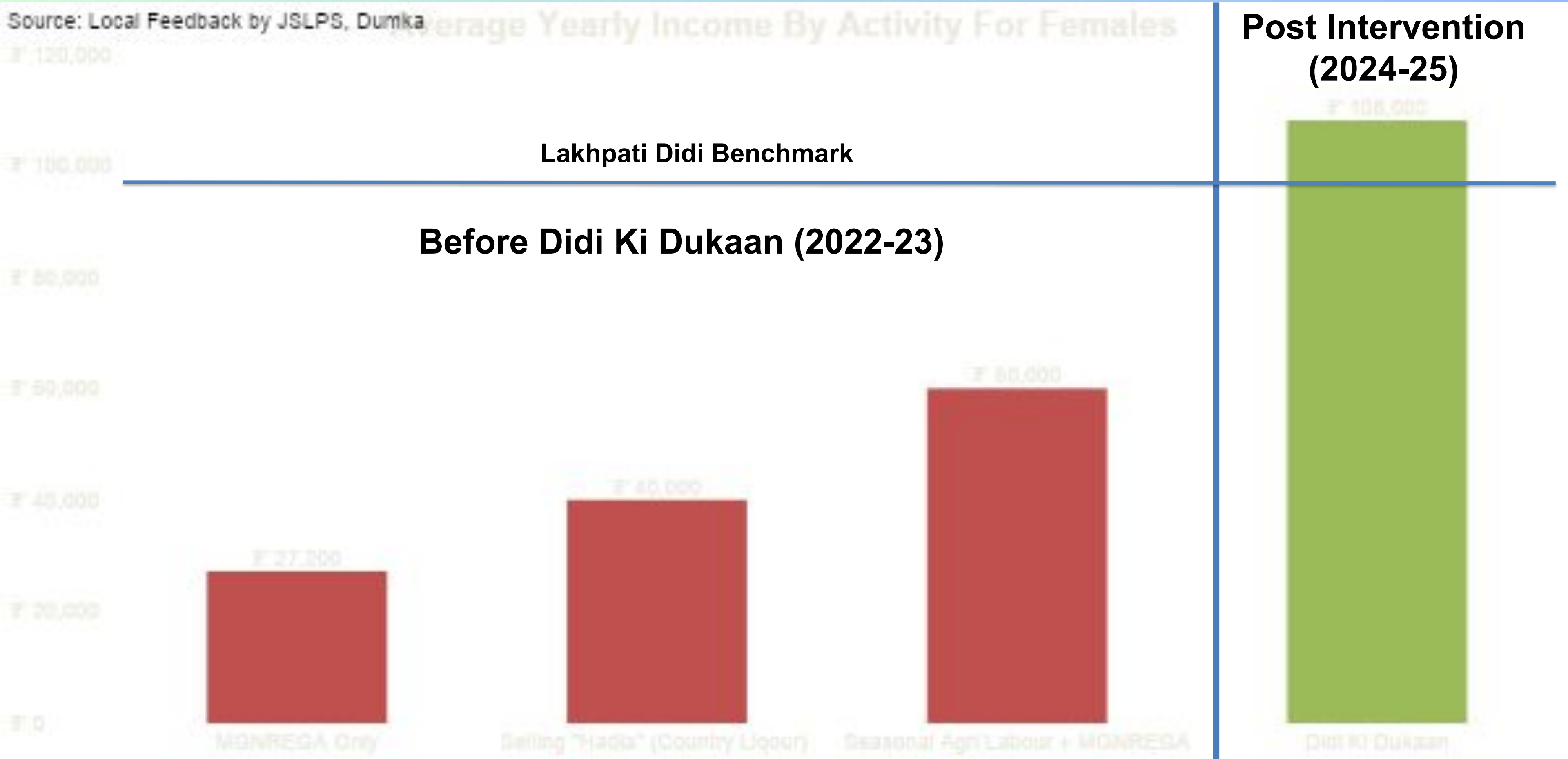
₹ 40,000

Selling "Hada" (Country Liquor)

₹ 60,000

Seasonal Agri Labour + MGNREGSA

Didi Ki Dukaan



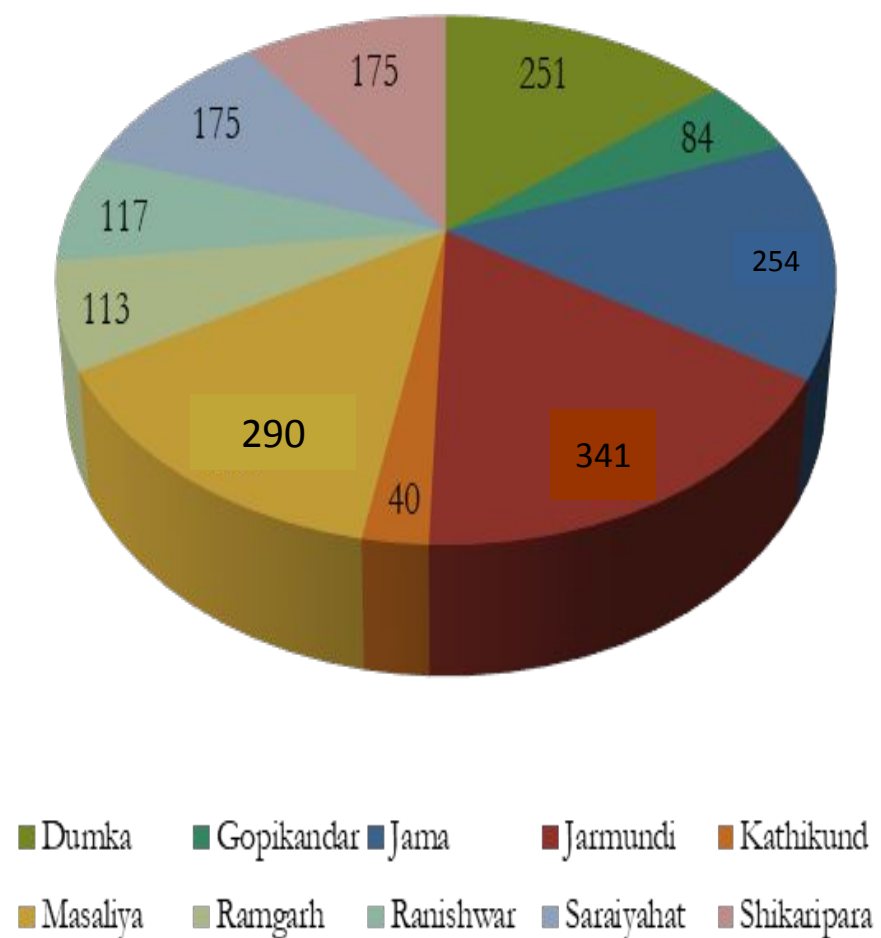
# Socio Political Impact of the Initiative

512 Villages with shops opened for the first time



No. of household reached around **90,575\*** in **1840 Villages**

Total Villages Covered (Block-wise)

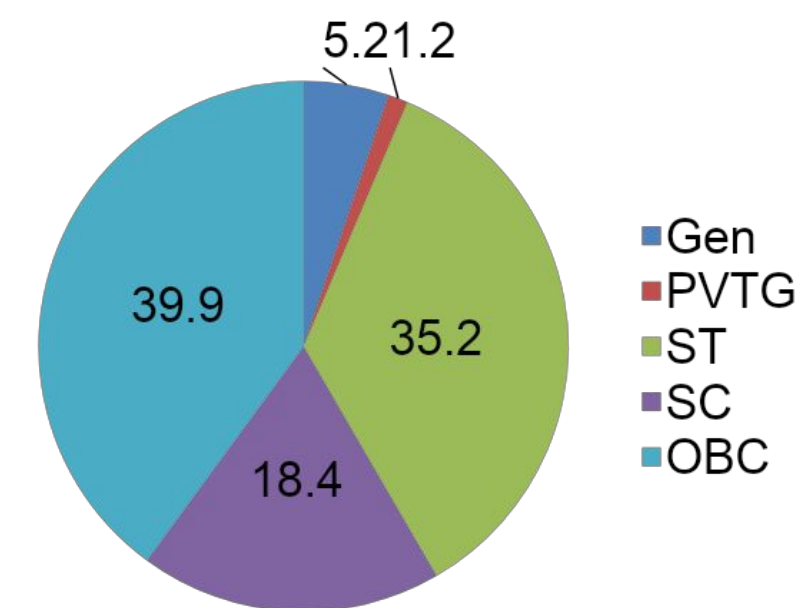


Improved NITI Aayog ADP Indicators

Indicator	April 2024	Jan 2025
Sex Ratio at Birth	988	990
Percentage of Underweight Children	5.77	4.38
Percentage of SAM Children	2.09	1.45
Percentage of MAM Children	2.92	2.55

**Inclusivity – 52.7% from SC, ST, PVTGs**

Beneficiaries By Social Group



\*Assuming a shop caters 25 households



# Sustainability and Scalability of “Didi Ki Dukaan”

“Jan Bhagidari”

Demand for “Didi Ki Dukaan”: Fuelled by **Demand for everyday items**

Supply of “Didi Ki Dukaan”: **Low Skill Required** to start

Didis are expanding the store **beyond the initial scope**

**No Extra Funds** from the Government



# Way Forward

Road-side eating stalls as “**Didi ka Dhaba**”

App for digital book and stock keeping

Connecting Didi ki Dukaan With **Local Manufacturers**

Expansion of the shop to **every village/each Tola**

# आरसेटी में सखी मंडल की महिलाओं को दिया गया शॉप कीपर का प्रशिक्षण



# Thank You

**ड की हकीकत**

में इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया ताकि महिला स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़े और अन्य महिलाओं को इस उद्योग के प्रति आकर्षित करें भोलानाथ गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दी साथ ही उन्होंने कहा कि आप सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर हुनरमं सभी अतिथियों हुए आरसेटी के कुमार चौधरी ने की मूलभूत आ पूरा करने के लिए समृद्धि जस उन्होंने कहा कि समूह के माध्यम से लघु स्वरोजगार स्थापित कर सकती हैं विभिन्न बैंकों से ऋण व

सरकारी अनुदा की जा रही है कहा कि समूह एक शॉप कीपर प्रशिक्षण के प्रतिवेदन लेखन, तराजू सामग्री, रजिस्टर बचत से संबंधित नियम एवं समूह के लिए जरूरी सामान खरीदने और उसे रखने का नियम बनाना, प्रशिक्षण प्रारंभ किया जाएगा। आगामी अप्रैल महीने में महिलाओं के लिए सिलाई कटाई एवं ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण प्रारंभ किया जाएगा।

कहा कि इंडियन बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान जामा दुमका

## Didi Ki Dukaan Video

**दादा का दुकान समिला आर्थिक स्वावलंबन की राह**

राजीव जागरण, दुमका: झारखण्ड की उपराजधानी दुमका जिले की ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने व आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए खास बात यह कि इन दुकानों का संचालन गांव की गरीब व जरूरतमंद आदिवासी व अन्य श्रेणी की ग्रामीण महिलाएं कर रही हैं। इसमें अधिकांश महिलाएं मददगार की भूमिका में हैं। दीदी की दुकान को में दूसरे दुकानदारों से प्रतिस्पर्धा में बनाए रखने लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार हरसंभव मदद जा रही है। वित्त को व होल सेलर्स से दीदी की को प्रशासनिक मदद से लिंक व टैग भी किया गया है। नारी सशक्तिकरण की जड़ों को मजबूत बनाने लिए दुमका जिले के 2900 गांवों में दीदी की दुकान खोलने का लक्ष्य है। बहरहाल दुमका की माया की दुकान से प्रतिमाह 25 हजार रुपये, अशोका 40 हजार रुपये, पिकी देवी 60 हजार रुपये, चंद 20 हजार रुपये, परन्नी हेब्रम 10 हजार रुपये प्रकमाने वाली चंद महिलाओं का नाम है। जबकि सूची में ऐसी महिलाओं की संख्या लगातार बढ़

ग्रामीण उत्पाद, हरी सब्जियां, जूला-चप्पल और कई अन्य जरूरत की सामग्रियां भी सहजता से उपलब्ध दिया जाएगा। इस राशि पर चार से पांच प्रतिशत सुद के साथ राशि किस्तों में लौटाना है। इसमें बैंक भी

\*\*\*\*\*